Regarding issues pertaining to Muslim community in Jalandhar Cantonment

श्री चरनजीत सिंह चन्नी (जालंधर) : धन्यवाद सभपति महोदया । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान मेरे क्षेत्र में जालंधर कंटोनमेंट एरिया की कुछ प्रॉब्लम्स, जिनको पब्लिक फेस कर रही है और उसको लेकर पब्लिक में रिसेंटमेंट है, उसकी ओर आकृष्ट करना चाहता हूं । एक मुस्लिम ईदगाह कंटोनमेंट एरिया में है । वह मुस्लिम ईदगाह वर्ष 1909 से मुसलमानों के कब्जे में है । वह उनको दान की गई थी । लेकिन, अब दस दिन का एक नोटिस देकर उसको खाली करने के लिए कहा गया है ।

दूसरा, कंटोनमेंट एरिया में जो सिविलियन लोग रहते हैं, उनके पास एलॉटेड लैंड है, उसकी रजिस्ट्रेशन की प्रॉब्लम है ।

तीसरा, उसके चारों तरफ पेरिफेरल रोड बनना है । उसकी भी प्रॉब्लम है । मैं आपसे दो मिनट चाहता हूं । जो ईदगाह है, वह वर्ष 1909 से उनके कब्जे में है और वे वहां उसी समय से नमाज पढ़ रहे हैं । उनको वह जगह दान की गई थी । वर्ष 1995 में सरकार ने उसकी नोटिफिकेशन जारी की थी । मैं पूछना चाहता हूं कि अब क्या आपत्ति है कि वहां नोटिस जारी करके उसको खाली कराया जा रहा है? इससे मुस्लिम कम्युनिटी में रिसेंटमेंट है । यह माइनॉरिटी पर हमला है । इसलिए, मेरा सरकार से निवेदन है कि उस ईदगाह को उनको वापस दिया जाए और नोटिस को खारिज किया जाए ।

वहां के जो सिविलियन्स हैं, उनकी जो एलॉटेड लैंड है, उसकी रजिस्ट्रेशन को जो बंद कर दिया गया है, उसको खोला जाए । उससे लोगों को बड़ी दिक्कत हो रही है । ऐसे 13 गाँव हैं, जिनके लिए पंजाब सरकार ने प्रपोजल भेजा है कि कंटोनमेंट एरिया के चारों तरफ एक पेरिफेरल रोड बनाई जाएगी । अगर सरकार सहमत हो जाती है तो इससे कंटोनमेंट एरिया और फौजियों को भी फायदा होगा ।

लोग अंदर से होकर जाते हैं फिर वह पेरीफेरल रोड से जाएंगे । हमारे एमएलए परगट सिंह जी भी मंत्री जी से मिले हैं ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है ये तीनों बड़े संवेदनशील इश्यू हैं । माइनोरिटी का इश्यू है ।, माइनेरिटी से उनका नमाज पढ़ने का हक छीना जा रहा है इसलिए मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि इसको सीरियसली कंसीडर किया जाए ।